निजी क्षेत्र की बीज कंपनियों द्वारा विकसित संकर/प्रजातियों के बहुस्थानीय परीक्षण की आवश्यकता एवं उद्देश्य

देश एवं प्रदेश में उगाई जाने वाली विभिन्न फसल प्रजातियों के गुणवत्तायुक्त बीज की मॉग के सापेक्ष 40 प्रतिशत से भी कम मात्रा की पूर्ति विभिन्न राजकीय माध्यमों से हो पाती है, जबकि शेष मात्रा हेतु क्रय खुले बाजार में निजी क्षेत्र के बीज कंपनियों पर निर्भर रहते हैं अथवा किसान स्वयं अपने प्रक्षेत्र पर उत्पादित बीजों के माध्यम से पूर्ण कर पाते हैं। इन परिस्थितियों के दृष्टिगत बाजार में 150 से भी अधिक बीज कंपनियॉ ट्रूथफुल लेवल बीज के रूप में किसानों को विभिन्न फसल प्रजातियों के बीज उपलब्ध करा रही हैं। इनमें संकर प्रजातियों का एक बड़ा भाग है जिसके बीज का उत्पादन कंपनियों द्वारा देश के दक्षिणी प्रदेशों यथा कर्नाटक, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना एवं महाराष्ट्र में किया जाता है। इन प्रदेशों की वातावरणीय परिस्थितियॉ उत्तर प्रदेश से बिल्कुल भिन्न है। अतः निजी कंपनियों द्वारा उत्पादित इन बीजों की प्रदेश के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में उपयुक्तता परीक्षण आवश्यक है अन्यथा प्रदेश के कृषक कंपनियों द्वारा विक्रय किये जा रहे उच्च मूल्य के बीज खरीद कर ठगे जाने की संभावना से नकारा नहीं जा सकता।

उपरोक्त परिस्थितयों को संज्ञान में रखते हुए उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा चावल, मक्का, बाजरा तथा सरसों फसल के निजी क्षेत्र की बीज कंपनियों द्वारा विकसित संकर एवं सामान्य प्रजातियों की उपयुक्तता का परीक्षण प्रदेश के समस्त 09 कृषि जलवायु क्षेत्रों में सम्पन्न कराया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष विभिन्न फसल प्रजातियों का परीक्षण कृषि निदेशालय के सम्भागीय कृषि परीक्षण एवं प्रदर्शन केन्द्रों, चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ, बॉदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बॉदा, सैम हिग्गिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नालॉजी एण्ड सांइस, प्रयागराज तथा कृषि विज्ञान संस्थान, वाराणसी के शोध प्रक्षेत्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों पर सम्पन्न कराया जाता है। इस क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेश संख्याः 60/2020/1933/12–2–2020–एस.52/2003 टी0सी0, दिनांक 24–11–2020 द्वारा 02 वर्षो के उत्पादन संबंधी ऑकड़ों को एकीकृत करते हुए संबंधित कंपनियों को उपलब्ध कराया जाता है।